DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, TUESDAY, JUNE 6, 2023

L-G kicks off revamp of 'Yamuna Vatika'

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JUNE 5

DELHI LIEUTENANT Governor VK Saxena and Union Minister of State for Culture and External Affairs Meenakshi Lekhi Monday marked World Environment Day by launching the overhaul and makeover of the 450-acre 'Yamuna Vatika' being undertaken by the Delhi Development Authority (DDA).

The project is part of the restoration scheme of Yamuna floodplains and witnessed the plantation of 500 chinar and 500 cherry blossom saplings. The project will have a garden, jogging and cycling tracks, eco-friendly temporary structures for eateries, a bio-retention zone and a wetland with a viewing deck, among others, the DDA said.

"Yamuna Vatika... envisages restoration of the ecological character of the floodplains of the Yamuna, while providing respite from dense urban character of Central and East Delhi," the L-G said.

The Yamuna Vatika is spread over an area of around 450 acres on the western bank of floodplains and has witnessed efforts to introduce flora like chinar and cherry blossom in Delhi for the first time, the DDA said. The saplings were planted after being kept under a controlled atmosphere for a month to let them acclimatise to Delhi's weather, the DDA added.

At the launch on Monday

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, JUNE 6, 2023

Floodplain revamp: LG plants saplings at Yamuna Vatiika

LG planted 500 chinar and 500 cherry blossom saplings

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Celebrating World Environment Day, LG VK Saxena and Union minister of state for external affairs Meenakshi Lekhi launched the makeover of the 450-acre Yamuna Vatiika, a part of the restoration and rejuvenation of the Yamuna floodplain.

Saxena planted 500 chinar and 500 cherry blossom saplings on the Yamuna Vatiika, the latest permanent public green asset being created in the capital, after the development of Asita and Baansera. Being developed by the Delhi Development Authority, the Yamuna Vatiika is located on the western banks of floodplains between the Old Railway Bridge and the ITO Barrage.

According to officials, it was for the first time that efforts were being made to introduce flora species such as chinar and cherry blossom in Delhi. The two species were recently planted on the Yamuna islands and the saplings had shown "rapid growth".

"At Yamuna Vatiika, chinar and cherry blossom saplings have been planted over 10 acres of land in a three-layer circular grid formation with a big lush green patch at the centre. These trees, when in bloom, will offer a majestic view," said an official.

"Chinar and cherry blossom saplings were first kept in a controlled atmosphere in nurseries for a month to let them acclimatise to Delhi's weather. Thereafter, they were planted on the Yamuna flood plains today," the official added.

Speaking on the occasion, the LG said that efforts being made by the DDA for the restoration of the Yamuna floodplains will not only create environment-friendly recreational assets, but also mitigate direct pollution in the Yamuna. The Yamuna Vatiika envisages restoration of the ecological character of the flood plains of the Yamuna, while providing respite from the dense urban character of central and east Delhi, Saxena said.

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 6 जून, 2023

7500 पौधे वितरित किए

बाहरी दिल्ली : दिल्ली के डेरावाल नगर में सावन कृपाल रूहानी मिशन की ओर से पर्यावरण दिवस पर लोगों में पौधे बांटे गए। संत राजिन्दर सिंह महाराज की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि जब हम आध्यात्मिक रूप से उन्नति करते हैं, तब हम अन्य जीवों के प्रति जागरूक हो जाते हैं। मिशन की ओर से 7500 पौधों का वितरण हुआ। (जासं)

बायोडायवर्सिटी पार्क में भी मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नई दिल्ली : दिल्ली में डीडीए के सभी सात बायोडायवर्सिटी पार्कों में भी सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम किए गए। 'सोल्युशन प्लास्टिक पल्यूशन' पर सैर और संवाद का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम यमुना, तिलपथ वैली, कमला नेहरू रिज, तुगलकाबाद, नीलाहौज, कालिंदी और अरावली पार्क में किया गया। डीडीए ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से संजय वन में 'अवर प्लेस इन नेचर' शीर्षक नामक सत्र का आयोजन किया। डीडीए के 425 एकड़, में फैले जहांपनाह नगर वन में एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। डिस्ट्रिक्ट पार्क बी-ब्लाक जनकपुरी में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई। विशेषज्ञ रूचिका गुप्ता द्वारा 'कोकेडामा-मास बाल' में वृक्षारोपण की एक जापानी कला पर कार्यशाला की गई। (वि.)

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 6 जून 2023

यमुना बाढ़ क्षेत्र में पौधरोपण ड्राइव की शुरुआत एलजी वीके सक्सेना ने की

डीडीए ने यमुना किनारे लगाए पौधे

■ **विस, नई दिल्ली: वर्ल्ड एनवायरनमेंट** डे के मौके पर डीडीए ने 13 अलग-अलग जगहों पर जागरूकता कार्यक्रम के साथ पौधे लगाने का अभियान चलाया। इसमें अधिकारियों, स्टूडेंट्स, आम लोगों और एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया।

यमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना के किनारे पौधरोपण ड्राइव शुरू की गई। 200 एकड़ में फैली यमुना के पश्चिमी छोर पर ओल्ड रेलवे ब्रिज से आईटीओ बैराज तक यह ड्राइव चली। इस ड्राइव की शुरुआत एलजी वीके सक्सेना ने की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सब की जिम्मेदारी है और यमुना दिल्ली का गौरव है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, विधायक विजेंद्र गुप्ता और ओपी शर्मा भी ड्राइव में मौजूद रहे। डीडीए के 12 पार्क में भी आम लोगों के साथ मिलकर कार्यक्रम किए गए। दिल्ली के सातों बायोडायवर्सिटी पार्क में सैर के साथ-साथ प्लास्टिक के प्रदूषण से निपटने के तरीकों पर बातचीत हुई। संजय वन में भी यह वॉक की गई। वहीं जहांपनाह सिटी फॉरेस्ट की सफाई की गई।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के तरीकों पर बातचीत

डीडीए ने बाग घर लाओ कार्यक्रम शुरू किया है। शालीमार पार्क और डीडीए की दूसरी कई साइटों पर लोगों को कम्पोस्ट खाद के बारे में बताया गया। कम्पोस्टिंग एक्सपर्ट मोना ने यहां लोगों को कूड़े से खाद बनाने के तरीके बताए। छोटी की खुशी और आगाज-ए-तालीम एनजीओ के बच्चों ने पेंटिंग वर्कशॉप में हिस्सा लिया। यह वर्कशॉप यमुना किनारे हुई। आर्टिस्ट कुलसुम ने यहां बच्चों को गाइड किया।

पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाने से लेकर ड्रॉइंग प्रतियोगिता तक

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

घनश्याम बहवाल कमांडेंट 200 बटालियन, CRPF के मार्गदर्शन में सर्वोदय विद्यालय जाफरपुर कलां में पौधरोपण हुआ, जिसमें बटालियन के सीनियर अधिकारी अचला राम, द्वितीय कमान अधिकारी तारा यादव सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजधानी में अलग-अलग जगहों पर कई कार्यक्रम हुए। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर रामनिवास गोयल ने डीडीए फ्लैट, एमआईजी, बी ब्लॉक फेज-2, विवेक विहार के 4 पार्कों में पौधरोपण किया। कार्यक्रम का आयोजन एनजीओ भारत उदय ने किया। विवेक विहार के 4 पार्कों में कई प्रजातियों के 250 से ज्यादा पौधे लगाए गए। स्पीकर गोयल ने उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण के प्रति सचेत करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण से ही पृथ्वी की सुरक्षा होगी। यदि हमें पृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो हर साल ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने होंगे। भारत उदय एनजीओ के अध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक अजय चौधरी, श्याम चौधरी, नयन सिंह, ममता गोयल, दर्पण गुप्ता, प्रदीप सपरा भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में रैली निकाली गई जिसमें संस्थान की डायरेक्टर डॉ. तनुजा नेसरी, डीन पीजी डॉ. आनंद मोरे और डॉ. महेश व्यास समेत अन्य स्टाफ और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

वहीं, संत राजिंदर सिंह महाराज की अध्यक्षता में सावन कृपाल रूहानी मिशन ने पौधारोपण और पौधों के वितरण अभियान की शुरुआत की। इसके तहत कृपाल बाग में 7500 पौधों का समस्त संगत में वितरण किया गया। इस अवसर पर संत राजिंदर सिंह और माता रीटा ने भी पौधरोपण कर सभी को पर्यावरण की देखभाल के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, विकल्प संस्था ने बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। इसके तहत विभिन्न स्कूलों और जगहों पर बच्चों से थैलों पर ड्रॉइंग भी कराई जा रही है। संस्था की चीफ डॉ. रूबी मखीजा ने कहा कि कि बच्चों को सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी जा रही है।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के 6, डीबीएन एनसीसी आर्मी विंग द्वारा पर्यावरण बचाओ अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. प्रवीण गर्ग, एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट मुकेश राणा, संतोष सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वहीं, डीडीए उद्यान खंड-10 ने शालीमार बाग स्थित शीश महल पार्क में पौधारोपण किया। डीडीए के अधिकारियों ने स्थानीय आरडब्ल्यूए और बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसके साथ ही डीडीए के अधिकारियों ने आरडब्ल्यूए की मदद से घरों से निकलने वाले गीले कूड़े को घर के अंदर ही खाद बनाने की विधि लोगों से साझा की। इस मौके पर डीडीए की अडिशनल कमिश्नर डॉ. कल्पना खुराना व सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर धीरेंद्र यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

एलजी ने यमुना वाटिका में पौधे रोपे

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस पर उप राज्यपाल वीके सक्सेना और केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने यमुना वाटिका में पौधरोपण किया। इस दौरान चिनार तथा चेरी ब्लासम के 1100 पौधे रोपे गए।

उप राज्यपाल ने कहा, यमुना वाटिका परियोजना को छह से आठ महीने में पूरा कर लिया जाएगा। यमुना नदी के पश्चिमी तट पर यमुना वाटिका को विकसित किया जा रहा है। यमुना

वाटिका में नेचर ट्रेल, वेटलैंड, घास के मैदान, मैनीक्योर, आधुनिक पार्क, कैफेटेरिया, एडवेंचर जोन और अन्य सुविधाएं होंगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज से आईटीओ बैराज तक यमुना वाटिका लगभग 450 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इस मौके पर विधायक मोहन सिंह बिष्ट, विजेन्द्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अजय महावर और अभय वर्मा और डीडीए के अधिकारी मौजूद रहे।

सम्मानित किया : दिल्ली नगर निगम की महापौर शैली ओबरॉय ने कूड़ा प्रबंधन करने वाली 127 जीरो वेस्ट-सहभागिता कॉलोनियों, दस एनजीओ तथा 17 बल्क वेस्ट जनरेटर को सम्मानित किया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER Hindustan Times NEW DELHI TUESDAY JUNE 06, 2023

'Working towards no severe air days'

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Chief minister Arvind Kejriwal on Monday called on the people of Delhi to turn the fight against pollution into a jan andolan (people's movement), adding that the government is working hard to make Delhi's air cleaner.

"If we look at the data for 2022 as compared to 2016, there has been a 30% decline in both PM2.5 and PM10. Data also shows that in 2016, there were 26 'severe' air days – when the pollutants were so high that Delhi had become a gas chamber and it was difficult for the citizens here to breathe. In 2022, we had only six such days. Soon, we hope to reach such a stage where there will not be even one such day in the near future," Kejriwal said at a paryavaran sammelan (environmental conference), organised by the Delhi government at Thyagraj Stadium on Monday, which was observed as the World Environment Day.

The gathering consisted of school teachers, students from over 2,000 eco clubs from schools across the city, forest guards, government officials, and members of RWAs. Environment minister Gopal Rai was also present.

However, the Bharatiya Janata Party (BJP) dismissed Kejriwal's claims, with leader of the opposition in the state assembly Ramvir Singh Bidhuri saying that the condition of Delhi's roads is very poor, and the deteriorating state of public transportation is contributing significantly to air pollution.

Separately, lieutenant governor (LG) VK Saxena celebrated World Environment Day by undertaking a plantation drive at Yamuna Vatika, a garden being created on the western banks of the Yamuna.

CM Arvind Kejriwal during the 'Paryavaran Sammelan', at Thyagraj Stadium in New Delhi on Monday. ANI

AIR WE BREATHE

Kejriwal, speaking about the initiatives undertaken by his government to improve air quality in the Capital, said Delhi introduced the Tree Transplantation Policy in 2020 – mandating that not only is compensatory plantation done in the city, but trees are transplanted to a new location.

He said the government facilitated a switch to cleaner fuels in 2018, with industries now running on piped natural gas (PNG), and launched a real-time source apportionment study this year and was also working to improve air quality at the 13 pollution hot spots identified by the Delhi Pollution Control Committee in 2018.

"We have also, successfully been able to implement the 'Yuddh Pradushan Ke Virrudh' (war against pollution) campaign. Through our efforts aimed at reducing pollution caused by stubble burning, the use of the bio-decomposer solution developed by the India Agricultural Research Institute has meant Delhi has witnessed a significant decline in stubble burning incidents," Kejriwal said.

"In 2013, the area under green cover was around 20% and currently, it is 23%. We have set an ambitious target of planting 5.2 million lakh saplings this year, which demonstrates our determination to foster a greener and healthier future," he added.

The CM said that the air does not belong to Delhi alone, adding, "On this occasion of the World Environment Day, I urge everyone gathered here to take the pledge to clean and protect the environment in Delhi."

Rai said more such conferences will be held in the future.

"Under the chief minister's leadership, we will extend this campaign to every corner of Delhi. In collaboration with eco clubs, RWAs, religious institutions and traders' associations, we will organise similar Paryavaran Sammelans across different parts of Delhi to not only promote environmental awareness, but also facilitate the distribution of plants," he said.

LG Saxena undertook a plantation drive at Yamuna Vatika. He tweeted, "This is a new permanent eco-sustainable green recreational asset, being developed by the DDA for the people of Delhi, after Asita & Baansera. This will also help rejuvenate the Yamuna."

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF 6 जून • 2023 राष्ट्रीय सहारा DATED

पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज से आईटीओ के बीच विकसित होगी यमुना वाटिका

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना एवं केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना नदी के बेसिन में निर्माणाधीन 'यमुना वाटिका' में चिनार एवं चैरी ब्लॉसम के 1100 पौधे लगाए। यमुना वाटिका को यमुना नदी के कायाकल्प के रूप में विकसित किया जा रहा है। उप-राज्यपाल बताया कि यह कार्य 6 से 8 महीने में पूरा हो जाएगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित यमुना नदी के बेसिन में नेचर ट्रेल, वैटलैंड, घास का मैदान, मैनीक्योर, फ्लावर, गार्डन एवं पार्क, कैफेटेरिया, एडवेंचर जोन एवं अन्य सार्वजनिक

■ 450 एकड़ में प्रस्तावित यमुना वाटिका का एलजी से किया शुभारंभ

■ लेखी के साथ एलजी ने लगाए चिनार एवं चेरी ब्लॉसम के पौधे

■ 6 से 8 महीने में पूरी होगी योजना : उपराज्यपाल

सुविधाएं होंगी। इस मौके पर मुख्य सचिव, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अजय महावर एवं अभय वर्मा समेत डीडीए के अधिकारी मौजूद थे।

डीडीए की 450 एकड़ की इस योजना का उप-राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री के साथ शुभारंभ किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पौधे भी लगाए। डीडीए की यह योजना यमुना बाढ़ क्षेत्र के जीर्णोद्धार का ही हिस्सा है। उप राज्यपाल ने असिरा एवं बॉसेरा में भी 500 चिनार एवं 500 ब्लॉसम के पौधे लगाए। डीडीए की यमुना वाटिका योजना पुरानी दिल्ली के रेलवे ब्रिज से आईटीओ के बीच विकसित की जा रही है। एलजी ने बताया कि पहली बार दिल्ली में चिनार एवं चेरी ब्लॉसम के पौधे लगाने की कोशिश की जा रही है। इसके पीछे उनका तर्क है कि चिनार एवं चेरी ब्लॉसम के पौधों से विकास को गति मिली है। यमुना वाटिका में करीब 10 एकड़ के क्षेत्रफल में चिनार एवं चेरी ब्लॉसम के पौधे लगाए गए हैं। यह पौधे खिलेंगे, जिससे एक शानदार दृश्य दिखेगा। चिनार एवं चेरी ब्लॉसम के पौधों को लगाने से पहले करीब एक महीने तक नियंत्रित वातावरण वाली नर्सरी में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि यह योजना करीब 7 साल से अधर में लटकी हुई थी, लेकिन आज के अभियान से इसको गति मिलेगी। यमुना के इस क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल स्थायी हरित मनोरंजनात्मक संपत्ति का निर्माण होगा। इससे प्रदूषण के स्तर में भी गिरावट आएगी। उप-राज्यपाल ने कहा कि यमुना वाटिका यमुना नदी के बेसिन में पारिस्थितिक विशेषता को बहार करने की परिकल्पना है। इससे सेंट्रल एवं पूर्वी दिल्ली को शहरी भीड़ भाड़ से राहत भी मिलेगी। नदी के इस मुहाने पर आवासीय कालोनियों में दरियागंज, कश्मीरी गेट एवं वॉल्डसिटी स्थित है। एलजी ने बताया कि यमुना वाटिका में मौसमी फूलों के साथ ही जौगिंग, साइकिलिंग टैक, भोजनालय, कैफेटेरिया के लिए पर्यावरण अनुकूल अस्थायी संरचना की जाएगी। पर्यटकों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वाटिका में करीब 10 एकड़ के क्षेत्रफल में एक एडवेंचर जोन एवं ब्यूइंक डक के साथ बैटलैंड होगा। इसके साथ ही 7.40 हेक्टेयर क्षेत्रफल में जलाशय (कुल चार जलाशय) होंगे, जो 185 मिलियन लीटर बाढ़ का पानी रोक सकेंगे। 12,600 पौधे एवं 55 लाख रिवाराइन घास लगाई जा रही है।

पर्यावरण पर परिचर्चा आयोजित

नई दिल्ली। माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमेन के नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ने इस वर्ष की विश्व पर्यावरण दिवस की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन है विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की प्राचार्य प्रो. हरप्रीत कौर ने स्वागत भाषण दिया और उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का संयोजन माता सुंदरी महिला कॉलेज, नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड की प्रभारी डॉ. इन्दू कुमारी के द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. इन्दू ने पर्यावरण की चुनौतियां को सामने रखा।

ज्यादा से ज्यादा लगाएं पौधे : वत्स

नई दिल्ली (एसएनबी)। अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने सोमवार को संघ मुख्यालय बरवाला में विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकृति का संरक्षण करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने का संकल्प लिया और लोगों से भी पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस की इस वर्ष की थीम है 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन।' इसके लिए युद्ध स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है, ताकि हम अपने पर्यावरण को जीने लायक बना सकें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer

NAME OF NEWSPAPE HI | TUESDAY | JUNE 6, 2023 DATED----------

Delhi celebrates world environment day

LG launches makeover of Yamuna Vatika

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Lieutenant-Governor VK Saxena along with Union Minister of State for Culture & External Affairs Meenakshi Lekhi celebrated World Environment Day by launching the extensive overhaul and makeover of the 450-acre Yamuna Vatika.

The project is being undertaken by the Delhi Development Authority (DDA) as part of the ongoing Restoration and Rejuvenation scheme of the Yamuna floodplains. The ambitious project had been in limbo for over 7 years, gained momentum after the Delhi High Court ruled in favour of the DDA.

In a bold and unconventional move, Saxena planted 500 Chinar and 500 Cherry Blossom saplings at Yamuna Vatika, which is the latest permanent public green asset being created in Delhi after the successful development of Asita and Baansera.

Located on the Western Bank of the floodplains, stretching from the Old Railway Bridge to ITO Barrage, Yamuna Vatika spans approximately 450 acres. This endeavor marks the first time that flora species like Chinar and Cherry Blossom have been introduced in Delhi. Recently, Chinar and Cherry Blossom saplings were planted on the Yamuna islands, showcasing rapid growth.

LG VK Saxena planting a sapling on the occasion of World Environment Day at Gadi Madnu in North East Delhi on Monday Ranjan Dimri | Pioneer

At Yamuna Vatiika, Chinar and Cherry Blossom saplings have been strategically planted over 10 acres of land in a 3-layer circular grid formation, with a large lush green patch in the center. These trees, when in full bloom, will provide a majestic view. The saplings were first acclimatized to Delhi's weather conditions in nurseries under controlled atmospheres for a month before being transplanted on the Yamuna floodplains. Speaking on the occasion, the Lt. Governor expressed his belief that the DDA's efforts in restoring the Yamuna floodplains would not only create environment-friendly permanent green recreational assets for the people of Delhi but also help mitigate direct pollution into the Yamuna River. Saxena highlighted that Yamuna Vatika, like other similar projects, aims to restore the ecological character of the Yamuna floodplains while providing relief from the dense urban landscape of Central and East Delhi.

The project will offer an open recreational space to residents living in residential colonies on the Eastern Banks of the river, including Daryaganj, Kashmere Gate, the Walled City, and commuters from North Delhi.

Yamuna Vatika will feature a 10-acre garden of seasonal flowers, walkways, jogging/cycling tracks, eco-friendly temporary structures for eateries and cafeterias, public utilities, event areas, a bio-retention zone, an adventure zone with a kids' play area, and a wetland with a viewing deck.

The existing depressions have been restored and transformed into water bodies/wetlands, with four water bodies covering an area of about 7.40 hectares that can hold approximately 185 million liters of floodwaters. Additionally, approximately 12,600 trees of floodplain-specific species and around 55 lakh riverine grasses are being planted.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | TUESDAY, 6 JUNE, 2023

L-G and MoS Culture Lekhi plant chinar, cherry blossom saplings in 'Yamuna Vatiika'

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Saplings of chinar and cherry blossoms were on Monday planted by Delhi Lt Governor V K Saxena and Union minister Meenakashi Lekhi in the 'Yamuna Vatiika' being developed as part of an ongoing restoration and rejuvenation of the Yamuna floodplains.

The plantation drive was undertaken as part of an event organised by the Delhi Development Authority (DDA) to mark World Environment Day.

'Yamuna Vatiika' is spread over an area of approximately 450 acres on the western bank of floodplains from Old Railway Bridge to ITO Barrage, officials said.

As part of the drive, 500 saplings of cherry blossoms and as many of chinar were planted at the "latest permanent public green asset" being created in Delhi, after the development of Asita and Baansera, they said.

"On the occasion of World Environment Day, the L-G joined a plantation drive at Yamuna Vatiika on the western bank of river Yamuna. Happy to see a permanent eco-sustainable green recreational asset that is being developed by DDA for the people of Delhi, which will restore the glory of Yamuna and rejuvenate the floodplains thereby creating breathable public green space," Lekhi tweeted.

The L-G said efforts being made by the DDA for restoration of the Yamuna floodplains will not only create environment-friendly permanent green recreational assets for the people of Delhi but also mitigate direct pollution of Yamuna.

The ambitious project was lying in limbo for over seven years, and gained impetus, after the Delhi High Court passed an order in favour of the DDA, according to an official statement issued by the urban body.

It is for the first time that an effort has been made to introduce flora species like chinar and cherry blossoms in Delhi. Recently, chinar and cherry blossoms were planted on the Yamuna islands and the saplings have shown rapid growth, it said.

At 'Yamuna Vatiika', saplings of chinar and cherry blossoms have been planted on over 10 acres of land in a three-layer circular grid formation with a big lush green patch in the centre, the DDA said.

These trees, when in bloom, will offer a majestic view. These saplings were first kept under a controlled atmosphere in nurseries for a month to let them acclimatise to Delhi's weather. Thereafter, the saplings were planted on the Yamuna flood plains today, it said.

'Yamuna Vatiika', like other similar projects, envisages restoration of the ecological character of the floodplains of river Yamuna, while also providing respite from the dense urban character of central Delhi and east Delhi, Saxena was quoted as saying in the statement.

Lakhs of people living in residential colonies on the eastern banks of the river, Daryaganj, Kashmere Gate and the Walled City, apart from commuters from north Delhi, will find an open recreational space at this project being aesthetically developed, he said.

amarujala.com
मंगलवार, 6 जून 2023

एलजी और केंद्रीय मंत्री लेखी ने लगाए 1100 पौधे

यमुना के पश्चिमी तट को किया जा रहा है विकसित

अमर उजाला ब्यूरो

पौधरोपण करते एलजी वीके सक्सेना।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर यमुना वाटिका का शुभारंभ किया। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से जीर्णोद्धार कार्यक्रम के तहत यमुना बाढ़ क्षेत्र का कायाकल्प किया जा रहा है। असिता और बाँसेरा की तर्ज पर एलजी ने यमुना वाटिका में चिनार के 500 और चेरी ब्लॉसम के 500 चेरी ब्लॉसम के पौधे लगाए।

असिता और बांसेरा के बाद दिल्ली में नवीनतम स्थायी सार्वजनिक हरित संपदा बनाई जा रही है। यमुना वाटिका ओल्ड रेवले ब्रिज से आई.टी.ओ. बैराज तक के बाढ़ के मैदान में पश्चिमी किनारे पर करीब 450 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। दिल्ली में यह पहला मौका है कि चिनार और चेरी ब्लॉसम जैसी प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनके तेजी से होने वाले विकास को देखते हुए 10 एकड़ में चेरी ब्लॉसम और चिनार के पौधे लगाए गए हैं। हरित क्षेत्र के अलावा तीन लेयर में वृत्ताकार ग्रिड के रूप में पौधे लगाए गए हैं।

10 एकड़ में बनेगा उद्यान, एडवेंचर जोन भी होगा

यमुना फ्लड प्लेन की पर्यावरणीय विशेषता को बनाए रखने के लिए डीडीए यमुना नदी के किनारे बाढ़ क्षेत्र में स्थलीय और जलीय घास के मैदान, रिवराइन बफर प्लांटेशन भी किया जा रहा है। यमुना वाटिका में मौसमी फूल, पैदल पथ जौगिंग, साइक्लिंग ट्रैक, भोजनालय और कैफेटेरिया सहित बच्चों के लिए खेलने और एडवेंचर जोन सहित 10 एकड़ में उद्यान का निर्माण किया जाएगा। करीब 7.40 हेक्टेयर में फैले हुए मौजूदा गड्ढों को जलग्रहण क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।